



BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

विक्रम सम्वत् - 2078 • मासिक पत्र : सितम्बर 2021 • पृष्ठ : 4 • दिल्ली

भिवानी परिवार मैत्री संघ नवनिर्वाचित कार्यकारिणी 2021-24



प्रधान
श्री राजेश चेतन
9811048542



उपप्रधान
श्री हंसराज रल्हन
9212163340



उपप्रधान
श्री सुनील अग्रवाल
9899275130



महासचिव
श्री दिनेश गुप्ता
9810003215



कोषाध्यक्ष
श्री संजय जैन
9810032754



प्रचार मंत्री
श्री प्रमोद कुमार शर्मा
9868162572



संगठन मंत्री
श्री सुशील गनोत्रा
9899454931



सचिव
श्री पवन कुमार मोड़ा
9350461306



संयुक्त सचिव
श्री मनीष गोयल
9811195512



संयुक्त सचिव
श्री विनय सिंघल
9999190575

विशेष आमंत्रित सदस्य



संयोजक-फरीदाबाद समिति
श्रीमती दर्शना गुप्ता
9650011477



संयोजक-सोनीपत समिति
श्री सुखदर्शन सिंह
96542 72025



संयोजक-गुडगाँव समिति
श्री कपिल बागड़िया
9810750095



संयोजक-बहादुरगढ़, रोहतक समिति
श्री संदीप अग्रवाल
9315173777

सदस्य कार्यकारिणी



श्रीमती पूजा जैन
9212232753



एडवोकेट मीनाक्षी गर्ग
9911196125



श्रीमती पूजा बंसल
9811326261



श्री अरविन्द गर्ग
9811757577



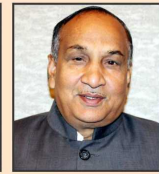
श्री सांवरमल गोयल
9990541122



श्री एन. आर. जैन
9711917855



श्री संजय गुप्ता
9996543802



श्री गोविन्द राम बंसल
9312923340



श्री नवीन जयहिंद
9313581995



श्री सुनील बंसल
95600 73511



श्री सचिन मेहता
79880 10075



श्री पंकज गुप्ता
9654909070



श्री संजय जैन
9811110165



श्री विनोद देवसरिया
98103 11897



श्री उमेश मितल
9310138001

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) की मुख्य मासिक पत्रिका



BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सम्पादक

जगत नारायण भारद्वाज

सह-सम्पादक

सुनीता शर्मा व मनीष गोयल

प्रबंध-सम्पादक

सुश्री मंजीत मरवाहा

कार्यालय

भिवानी परिवार मैत्री संघ, पंजीकृत (BPMS)

एफ-6, कोहली प्लाजा, सी यू ब्लॉक, उत्तरी पीतमपुरा, दिल्ली-110034

दूरभाष : 9999305530, E-mail: admin@ebhiwani.com

http://www.ebhiwani.com

आजादी के अमृत कलश में 75 बूंदे भिवानी की

भिवानी परिवार मैत्री संघ ने निर्णय लिया है कि स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव वर्ष में 75 सेवा कार्य करके आजादी के अमृत कलश में हमारी भी 75 बूंदे समर्पित की जाएंगी



बूंद 1.0

श्री साहित्य सरगम और भिवानी परिवार मैत्री संघ ने मिलकर अपना घर आश्रम, बुढ़पुर में भव्य हास्य कवि सम्मेलन एवं श्रावण मास के महत्व को समझते हुये 11 विद्वान् ब्राह्मणों द्वारा श्री सांवर मल गोयल और श्रीमती निषा गोयल को यजमान बनाकर संगीतमय महारुद्राभिषेक किया गया। ये आयोजन आजादी के अमृत महोत्सव को समर्पित था।



बूंद 2.0

भिवानी परिवार मैत्री संघ द्वारा गूँज संस्था के साथ मिलकर वस्त्र एवं वस्तु संग्रह कैप लगाया गया



बूंद 3.0

भिवानी परिवार मैत्री संघ द्वारा हर रविवार एक बिजनेस वेबिनार का आयोजन जुम पर किया जाता, जिसमें इस सप्ताह Growbiz विषय पर व्लास का आयोजन किया गया



श्री जगत नारायण भारद्वाज
9416376123

भिवानी परिवार मैत्री संघ के कल्पनाशील अध्यक्ष श्री राजेश चेतन ने बताया कि मैत्री संघ आजादी के अमृत महोत्सव पर अनेक महत्वाकांक्षी योजनाओं को क्रियान्वित करने जा रहा है। इसी श्रृंखला में अपनी इस पत्रिका में स्वतंत्रता संग्राम में

जिन महापुरुषों ने अपना योगदान दिया है उनका वर्णन समय के अनुकूल रहेगा। लगभग 1761 की बात है तब भिवानी देहली के अधीन थी। वैसे यहां पंचायत के रूप में राज्य चलता था। उस समय नाममात्र का लगान होता था जो कभी दिया कभी न दिया, ऐसे ही चलता था। सरपंच सेठ पराम दास थे व लोहड़ की ओर से सेठ श्री राम होते थे। पंचों का फैसला सर्वमान्य होता था। एक बार सेठ सीताराम बादशाह

सम्पादकीय

का हुक्म लेकर आए कि भिवानी एक लाख रुपए का लगान दे अन्यथा नगर को खाली करें। इस आदेश से शहर में एक प्रकार से अफरा-तफरी मच गई। लोगों में चिंता व्याप्त हो गई। पंचायत बैठी। लोहड़ के पंच सेठ श्री राम (लोहड़ के प्रतिष्ठित नोपाराम परिवार) ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपनी ओर से 75 हजार रुपए देने की घोषणा की बाकी के पच्चीस हजार रुपए सारे शहर से एकत्रित किए गए। उस समय के 75000 रुपये कोई मामूली रकम नहीं होती थी। ऐसे ऐसे महापुरुषों को अपनी भिवानी की माताओं ने जन्म दिया है जिनके नाम की कीर्ति आज तक कायम है। मेरा विश्वास है ऐसे व्यक्तियों का स्मरण स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव पर बहुत प्रेरणादायी रहेगा। अगले अंक से स्वतंत्रता सेनानियों व इस आंदोलन में सहभागी व्यक्तियों की चर्चा की जाएगी।

भिवानी के साहित्यकार

लेखन का जुनून हुआ हावी, लिख डालीं 190 पुस्तकें



श्री जे.के. वर्मा

जिद और जुनून में बहुत फर्क होता है। जिद को कोई न कोई सीमा जरूर होती है लेकिन जुनून हर तरह की सीमा से परे किसी बेलगाम घोड़े की तरह होता है, जो कहीं भी पहुंच सकता है, कुछ भी कर सकता है और किसी भी हद तक जा सकता है। दूसरे शब्दों में वह उस बाज की तरह होता है, जो उड़ते समय ऊंचाई की सभी हदें पार कर जाता है। लेखन की विभिन्न विधाओं के बेताज बादशाह जे.के. वर्मा आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। देश ही नहीं, विदेशों में भी उनकी पुस्तकों की भारी मांग रहती है। लेखन के प्रति उनका जुनून जब सिर चढ़कर बोला तो वे बस लिखते चले गए और उनकी पुस्तकों का आंकड़ा 200 के करीब पहुंच गया। उनकी ज्यादातर पुस्तकें हिंदी में हैं, लेकिन दो दर्जन से भी ज्यादा का अंग्रेजी में अनुवाद हो चुका है।

सोफ्ट टू, पॉजिटिव थिंकिंग के 51 टॉप सी के टू, सफल बिजनेसमैन बनने के टॉप सीकेट्स, महिलाएं समझें अपने कानूनी अधिकार, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा का अधिकार, 100 प्रतिशत सफलता पाने के 15 टॉप सीकेट्स, बच्चों की परवरिश करने के 21 टॉप सीकेट्स, सफल पेरेंटिंग के 41 टॉप सीकेट्स जैसी पुस्तकों ने इन्हें भारतवर्ष ही नहीं, अपितु विदेशों में भी खासी पहचान दिलाई।

बाजार की डिमांड पर तीखी नजर रखने वाले श्री वर्मा ने सिंगल मद्र, सरोगेट मद्र व लिव इन रिलेशनशिप व कामसूत्र जैसे विषयों पर भी पुस्तकें लिखीं। इसके अलावा देश भर के महान स्वतंत्रता सेनानियों, धर्मगुरुओं व महापुरुषों के जीवन चरित्र पर भी इन्होंने अनेक पुस्तकें लिखीं हैं। लगभग 10 वर्ष तक श्री वर्मा ने पत्रकारिता के क्षेत्र में भी खूब नाम कमाया। दैनिक भास्कर में उन्होंने बतौर ब्यूरो चीफ, उप संपादक व क्राइम रिपोर्टर के रूप में काम किया। वर्ष 2013 में इन्होंने जे.के. साहित्य ट्रस्ट की स्थापना की। वर्ष 2014 में हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा इन्हें श्रेष्ठ कृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पूर्व राज्यसभा सांसद सुभाष चंद्रा ने जब विभिन्न शिक्षण व तकनीकी संस्थानों में अपना प्रेजेंटेशन दिया, तो श्री वर्मा की पुस्तकों का विशेष तौर पर उल्लेख किया। उन्होंने जीटीवी पर प्रसारित अपने शो 'द सुभाष चंद्रा शो' में अनेक बार कहा कि अगर मैं श्री वर्मा की पुस्तकों को न पढ़ता तो जीवन में बहुत कुछ खो देता। श्री वर्मा का लेखन अनवरत जारी है। मां शारदा से ये सदा एक ही वर मांगते हैं कि जीवन के अंतिम क्षणों तक इनकी लेखनी चलती रहे। लेखन का सिलसिला अनवरत जारी रहे।

संपर्क :- श्री जे.के. वर्मा
मोबाइल : 91-99966 66769

प्रस्तुति :
श्री सचिन मेहता
7988010075



इनकी अनेक पुस्तकों ने इन्हें बेस्ट सेलिंग राइटर की श्रेणी में ला खड़ा किया। सही निर्णय, सही साधन, पूर्ण सफलता, जोश, जुनून, टीम, नेटवर्क, मार्केटिंग, टाइम मैनेजमेंट के टॉप सीकेट्स, मनी मैनेजमेंट के टॉप

जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं



श्री प्रदीप गुप्ता
संरक्षक सदस्य
3 सितम्बर



भिवानी गौरव
श्री रमेश अग्रवाल
6 सितम्बर



श्री देवेन्द्र गोयल
संरक्षक सदस्य
6 सितम्बर



श्री अशोक भारद्वाज
संरक्षक सदस्य
9 सितम्बर



श्री विजय जिंदल
संरक्षक सदस्य
21 सितम्बर



भिवानी गौरव
श्री प्रमोद मेहता
21 सितम्बर



श्री रामानन्द आंचल
संरक्षक सदस्य
22 सितम्बर



भिवानी गौरव
सुश्री मंजीत मरवाहा
30 सितम्बर

मेरी कलम से

चिंतन करो चिंता नहीं

चिंता ऐसी डाकिनी, काट करेजा खाए।

वैद्य बेचारा क्या करे, कहां तक दवा खिलाए।।

भक्त कबीर के अनुसार चिंता का इलाज वैद्य के पास भी नहीं है।

चिंता एक मनोभाव है। यह किसी संभावित संकट की आशंका का परिणाम है। चिंता व्यक्ति के मन में भय उत्पन्न करती है जो व्यक्ति चिंता का शिकार हो जाता है वह तनावग्रस्त हो जाता है। उसकी समस्याओं से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है। चिंता बुद्धि एवं विवेक को नष्ट कर देती है। यह घातक है। चिंतित होने पर मनः स्थिति ऐसी हो जाती है जैसे कि सागर के भीतर आग लगी हो जिसका धुआं दिखता नहीं। कमजोर इच्छा वाला व्यक्ति इस आग में जल कर खाक हो जाता है।

श्री कृष्ण कहते हैं -क्यों व्यर्थ की चिंता करते हो। तुम क्या लेकर आये थे जो खो गया है। जो आज तुम्हारा है, कल किसी और का होगा, परसों

किसी और का हो जाएगा। तुम इसे अपना समझ कर मगन हो रहे हो बस यही समस्त दुःखों का कारण है। जो हुआ अच्छा हुआ। जो हो रहा है, अच्छा हो रहा है। चिंता से तनाव उत्पन्न होता है। इससे मुक्त होने का प्रयास कर तनावमुक्त जीवन जीया जा सकता है। प्रत्येक मनुष्य के जीवन में पीड़ादायक परिस्थितियां कभी न कभी आती ही हैं। ऐसे में चिंतित होना भी स्वाभाविक है। कर्म पर तुम्हारा अधिकार है, लेकिन फल पर नहीं।

कर्मण्यवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।

जरूरी है कि चिंतन से समाधान निकाला जाए। इससे हमारी वैचारिक शक्ति उत्कृष्ट होगी एवं कार्य करने का स्तर उत्तम होगा। चिंतनशील व्यक्ति हर कठिनाई का कोई ना कोई समाधान ढूंढकर उस से बाहर आ जाता है। चिंता और चिंता एक समान है। बस एक बिंदु का अंतर है। आज का आदमी चिंतन में नहीं ज्यादातर चिंता में जी रहा होता है। मनुष्य चिंतन करें। विवेक का प्रयोग करें, सकारात्मक सोच रखें, ईश्वर की हर रजा में खुश रहें।

इन तथ्यों को ध्यान में रखकर चिंता से दूर रहें। चिंता ही हमारा सबसे बड़ा शत्रु है। चिंतन करने से चिंता से छुटकारा मिलता है। चिंता में व्यक्ति सब कुछ गंवाता है तो चिंतन में वह हर खोई हुई वस्तु पा लेता है। चिंतन से वह भी प्रोत् एवं मार्ग ढूंढ लेता है। जिनसे वह अनभिज्ञ है। चिंता का परिणाम दुःख होता है। चिंतन का परिणाम आनंद। इसलिए व्यक्तित्व विकास के लिए जरूरी है आत्मिक विकास और आत्मिक विकास के लिए जरूरी है चिंतन।

चिंतामुक्त रहें। चिंतन करें।

स्वामी विवेकानन्द कहते हैं:- चिंतन करो, चिंता नहीं, नए विचारों को जन्म दो।।

नारी शक्ति की अद्भुत मिसाल है-ममता पालीवाल



श्रीमती ममता पालीवाल

अपने कार्य के प्रति लूटी है। ममता की बदौलत विद्यालय ने राज्य और जुनून, सेवा और राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त किया साथ ही उनके समर्पण का भाव मन में द्वारा प्रयोग की जा रही अटल लैब व उसके रख-रखाव संजोए जो निरंतर नई को देखते हुए नीति आयोग द्वारा उन्हें बेस्ट, टी.एल. बुलंदियों को छू रही है, इंचार्ज के पुरस्कार से अलंकृत किया है। कोविड-19 ऐसे व्यक्तित्व का नाम के दौरान बच्चों को एजुसेट की तर्ज पर अपने यूट्यूब हैं ममता पालीवाल। चैनल के माध्यम से शिक्षित कर एक अनोखा प्रयास गणित में एम.एस.सी., किया है। प्रत्येक कार्य के लिए सकारात्मक सोच और बी.एड. ममता की ऊर्जा के साथ सभी के कामों के लिए सदैव तत्पर रहने की उनकी आदत ने सभी छात्र-छात्राओं और शैक्षणिक उपलब्धियां शानदार रही है। स्नातक व स्नातकोत्तर में महाविद्यालय टॉप करने वाली ममता अध्यापकों के बीच उन्हें एक आदर्श अध्यापक के रूप में स्थापित किया है। ममता की इन्हीं सारी उपलब्धियों राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भिवानी में गणित प्रवका के पद पर कार्यरत हैं। अपने छोटे से कार्यकाल के दौरान ममता ने अपने कार्यक्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। ममता ने गणित विषय में अपने नवीनतम प्रयोगों से छात्रों को आसानी से गणित विषय को समझाया है। अपने विषय में पारंगत ममता पालीवाल की खूबी ये है कि उन्होंने गुणात्मक शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु दिन रात परिश्रम किया है, यही कारण है कि उनके द्वारा तैयार किए गए विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर अनेक उपलब्धियां दर्ज की है। ममता पालीवाल आत्मविश्वास का दूसरा नाम है। समय की कीमत को समझ ममता ने वक्त को अपने अनुसार मोड़ा है निश्चित और तय समय सीमा में कार्य करने की परिधि को तोड़ते हुए 12-12 घंटे काम कर ममता ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर अपने कार्यक्षेत्र में सरकार द्वारा लागू की गई सभी गतिविधियों में ममता पालीवाल ने बड़ चढ़कर भाग लिया तथा अपने लर्निंग मटेरियल में खेल के माध्यम से सामाजिक संरचना में सीखने की नई पद्धति को दर्शाया है। सरकार द्वारा स्थापित अटल लैब के माध्यम से नवीनतम प्रयोगों द्वारा छात्र-छात्राओं में गणित के प्रति रुचि को जागृत किया है। स्वयं के द्वारा तैयार किया गया मैथोनोपोली गेम को डिजाइन कर ममता ने गणित के क्षेत्र में खूब वाहवाही अविस्मरणीय रहेंगे।



प्रस्तुति :
श्रीमती अनिता नाथ
9896517300

स्मृति शेष

भिवानी परिवार दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है



श्री मदन लाल बंसल
31 जुलाई 2021



श्री शिव शंकर केडिया गुप्ता
2 अगस्त 2021



श्रीमती भगवती देवी
14 अगस्त 2021



श्री त्रिलोक चंद सिंघल
26 अगस्त 2021

भिवानी परिवार मैत्री संघ की स्वास्थ्य समिति

पहला सुख निरोगी काया

इस बात को ध्यान में रखते हुए इस समिति का गठन किया गया ताकि, भिवानी परिवार का हर सदस्य और उसका परिवार स्वस्थ रहे।

इस कार्य को सुचारू रूप से चलाने हेतु संस्था द्वारा इसका दायित्व मुझे दिया गया। मैं पूरा प्रयास करूंगा कि इस कार्य को अच्छे तरीके से निभाया जाय।

संस्था द्वारा सर गंगाराम अस्पताल से फुल बॉडी चेकअप के पैकेज की व्यवस्था 50 प्रतिशत छूट पर की गई। जिसमें पुरुष का रु. 5410 और महिला का रु. 7990 में फुल बॉडी चेकअप होता है। अब तक लगभग 350 सदस्य इसका लाभ उठा चुके हैं। जिनमें से करीबन 45 लोगों की रिपोर्ट में कुछ शुरुआती बीमारी के लक्षणों का पता चला, जो कि पहले से उन्हें नहीं पता था। जिससे समय रहते वो उसका इलाज करने में समर्थ हो पाए।

कोविड 19 के इस समय में हैल्थ चेकअप की सुविधा गंगाराम राम हॉस्पिटल ने कुछ समय के लिए स्थगित की हुई थी जो कि अब फिर से शुरू हो चुकी है। माननीय सदस्यों से निवेदन है, कि आप भी इस सुविधा का लाभ अवश्य उठायें। इसी तरह की व्यवस्था अन्य हॉस्पिटल्स में भी करने के लिए प्रयास जारी है।

संस्था द्वारा कई बार हेल्थ चेकअप कैंप भी लगाये गए हैं और आगे भी लगाए जायेंगे। इस विषय में यदि किसी के पास कोई अच्छा सुझाव हो तो अवगत करवाया जाए ताकि सभी को लाभ मिल सके।

संयोजक : श्री संजय गुप्ता-9996543802

समिति सदस्य :

श्री अनिल डालमिया-93122 77388

श्री अतुल जैन : 9810013891



चेतन वाणी



श्री राजेश चेतन

जिसके दिल में सोच मदरसा तालिबानी होता है जो जिहाद में रहता उलझा पाकिस्तानी होता है

हिंदू होकर हिंदू को ही जो गाली देता रहता सोचो, क्या वो मन का काला हिंदुस्तानी होता है

अफ़ग़ानों को जल्लादों के हाथों जिसने छोड़ दिया 'जो बाईडन' नाम है उसका 'स्टेटसतानी' होता है

यूएनओ चुपचाप खड़ा है कोई शर्म नहीं उसको हर झगड़े में बोलो कैसे वो सुल्तानी होता है

दो करोड़ अफ़ग़ान औरतों की इज्जत खतरे में है क्यों न कलेजा कठमुल्लों का पानी-पानी होता है

अल्लाह के बंदों को जब अल्लाह के ही बंदे मारें जो जो इस पर चुप है मुल्ला वो शैतानी होता है

सेवा समितियां

भिवानी परिवार मैत्री संघ द्वारा संस्था के कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए जिन समितियों का गठन किया गया है उनका विवरण इस प्रकार है।

BHIWANI PARIVAR MAITRI SANGH SOCIAL WORK COMMITTEES(15.8.2021)

COMMETTEE NAME	CONVENER	CONTACT NO.
1	डी डी ए प्लाट एवं पंचांग समिति	श्री अरविन्द गर्ग 9811757577
2	अपना घर आश्रम समिति	श्री सांवरमल गोयल 9990541122
3	स्वास्थ्य समिति	श्री संजय गुप्ता 9996543802
4	अंगदान / देहदान समिति	श्री एन आर जैन 9711917855
5	आदर्श विवाह समिति	श्री सुनील बंसल 9560073511
6	बिजनेस पाठशाला समिति	श्री सचिन मेहता 7988010075
7	आपदा राहत समिति	श्री पंकज गुप्ता 9654909070
8	वस्त्र एवं वस्तु संग्रह समिति	श्री गोविन्द राम बंसल 9312923340
9	वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन समिति	श्री संजय जैन 9811110165
10	रोंजगार समिति	श्री विनोद देवसरिया 9810311897
11	दूरिज्म समिति	श्री उमेश भित्तल 9310138001
12	हमारा बुक बैंक समिति	श्रीमती पूजा जैन 9212232753
13	पर्यावरण समिति	श्रीमती पूजा बंसल 9811326261
14	जल सेवा समिति	श्री नवीन जयहिंद 9313581995
15	कैंसर केयर समिति	श्रीमती मीनाक्षी गर्ग 9911196125

व्रत-त्योहार सितम्बर 2021

- कुशोत्पाटिनी अमावस्या : सोमवार, 6 सितम्बर
- सिद्धिविनायक गणेशोत्सव पर्व : शुक्रवार, 10 सितम्बर
- ऋषि पंचमी : शनिवार, 11 सितम्बर
- राधाष्टमी : मंगलवार, 14 सितम्बर
- श्रीचंद नवमी (उदासीन) : बुधवार, 15 सितम्बर
- अनन्त चतुर्दशी, गणेश विसर्जन : रविवार, 19 सितम्बर
- महालयारंभ : सोमवार 20 सितम्बर
- पितृपक्ष प्रारंभ : मंगलवार, 21 सितम्बर